Regarding checking of procurement of cotton by Cotton Corporation of India and ginning factories

श्री संजय हरिभाऊ जाधव **(**परभणी**) :** सभापति जी, जैसा कि आप जानते हैं कि भारतीय कपास निगम, सीसीआई न्यूनतम समर्थन मूल्य पर महाराष्ट्र सहित देश के सम्पूर्ण राज्यों में कपास की खरीदी करती है । इस खरीदी में महाराष्ट्र में 35 से 36 प्रतिशत रुई कपास में निकाली जाती है । उसके बावजूद सीसीआई और जिनिंग वालों की मिलीभगत से 32 से 33 प्रतिशत की मात्रा ही दिखाई जाती है और इस वजह से करोड़ों रुपयों का नुकसान भारत सरकार को सहन करना पड़ता है । इस वजह से किसानों को कपास का जितना भाव मिलना चाहिए, वह नहीं मिल पाता है ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि जो भी कपास की खरीदी की जाती है, उसके माध्यम से जिनिंग फैक्टरी मालिक और सीसीआई के अधिकारियों द्वारा की जाने वाली धांधलियों को रोकने के लिए अच्छी एजेंसी द्वारा इसकी जांच की जाए और किसानों को कपास का अच्छा भाव मिले, इसके लिए सरकार अग्रसर हो ।

धन्यवाद ।